प्रारंभिक परीक्षा

3 बाय 35 पहल(3 by 35 Initiative)

संदर्भ

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपने **"3 बाय 35" स्वास्थ्य-कर अभियान की घोषणा की है, जिसमें देशों से 2035 तक तंबाकू, शराब और शर्करा युक्त पेय पर कर कम से कम 50% बढ़ाने का आग्रह किया गया है।**

WHO की '3 बाय 35 पहल' -

- **लक्ष्य:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) देशों से आग्रह करता है कि वे स्वास्थ्य करों के माध्यम से 2035 तक तम्बाकू, शराब और शर्करायुक्त पेय पदार्थों की वास्तविक कीमतों में कम से कम 50% की वृद्धि करें।
- **उद्देश्य:**
  - हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों (NCD) से निपटना।
  - स्वास्थ्य और विकास के लिए सार्वजनिक राजस्व बढ़ाना।
  - बाहरी सहायता पर निर्भरता कम करना और राजकोषीय स्वतंत्रता में सुधार करना।
- **तात्कालिकता:**
  - स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ते NCD बोझ, कम विकास सहायता और सार्वजनिक ऋण से बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।
  - NCD अब वैश्विक मृत्यु के 75% से अधिक का कारण है।
- **NCD के प्रमुख चालक:**
  - तम्बाकू, शराब और शर्करा युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन।
- **नीति का प्रभाव:**
  - एक बार में 50% मूल्य वृद्धि से अगले 50 वर्षों में 50 मिलियन असामयिक मौतों को रोका जा सकता है।
  - अकेले तम्बाकू के कारण प्रतिवर्ष 7 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं।

पहल के प्रमुख कार्य क्षेत्र -

- हानिकारक उत्पादों को कम किफायती बनाने के लिए उत्पाद शुल्क में वृद्धि करना।
- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और विकास कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिए घरेलू निधियां जुटाना।
- वित्त और स्वास्थ्य मंत्रालयों, सांसदों, नागरिक समाज और शिक्षाविदों के बीच समन्वय को बढ़ावा देना।

वैश्विक रुझान और आर्थिक संभावनाएं -

- 140 देशों ने पहले ही तम्बाकू करों में वृद्धि कर दी है (2012-2022), जो वास्तविक व्यवहार्यता दर्शाता है।
- स्वास्थ्य करों ने कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में खपत को कम किया है और राजस्व को बढ़ावा दिया है।
- वैश्विक 50% मूल्य वृद्धि 5 वर्षों में $3.7 ट्रिलियन तक बढ़ सकती है (लगभग $740 बिलियन/वर्ष, या वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 0.75%)।
- **WHO ने इस पहल के माध्यम से अगले 10 वर्षों में $1 ट्रिलियन राजस्व का लक्ष्य रखा है।**

नीतिगत चुनौतियाँ -

- कई देश अभी भी तम्बाकू जैसे अस्वास्थ्यकर उद्योगों को कर में छूट देते हैं।
- दीर्घकालिक निवेश समझौतें अक्सर सरकारों को तम्बाकू पर कर बढ़ाने से रोकते हैं।
- WHO ने देशों से बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों के लिए ऐसी छूटों को समाप्त करने का आग्रह किया है।

विज़न: '3 बाय 35' का उद्देश्य स्वस्थ जनसंख्या, आर्थिक लचीलापन, सहायता पर निर्भरता में कमी लाना तथा भविष्य के लिए राजकोषीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्यों को संरेखित करना है।
स्रोत: बिजनेस-स्टैंडर्ड

हैम रेडियो(Ham Radio)

संदर्भ

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से हैम रेडियो संचार के माध्यम से देश भर के छात्रों से जुड़े।

हैम रेडियो के बारे में -

- **हैम रेडियो, जिसे शौकिया रेडियो(amateur radio) के रूप में भी जाना जाता है, एक लाइसेंस प्राप्त संचार सेवा है जो लोगों को जोड़ने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करती है।**
- **इसका उपयोग आमतौर पर शैक्षिक शिक्षण, तकनीकी प्रयोग और आपातकालीन संचार(SOS) के लिए किया जाता है।**
- प्रशिक्षित और लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटरों द्वारा एक समर्पित आवृत्ति, एक ट्रांसीवर और एक एंटीना का उपयोग करके संचार स्थापित किया जाता है।
- यह संचार को सक्षम बनाता है जो स्थानीय, वैश्विक या यहां तक कि अंतरिक्ष-आधारित भी हो सकता है (उदाहरण के लिए, ISS पर अंतरिक्ष यात्रियों के साथ)।
- **भारत में 12 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति हैम रेडियो लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है।**
- **यह लाइसेंस इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा जारी किया जाता है।**
- आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों के बावजूद, हैम रेडियो संचार का एक स्थिर, विश्वसनीय और स्वतंत्र माध्यम बना हुआ है।
- **यह एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक संचार प्रणाली के रूप में कार्य करता है, विशेषकर आपदाओं के दौरान जब नियमित नेटवर्क विफल हो जाता है।**
- **हैम रेडियो ने भारत में कई आपात स्थितियों के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:**
    - भुज भूकंप (2001)
    - हिंद महासागर सुनामी (2004)
    - उत्तराखंड बाढ़ (2013)
    - और अन्य प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाएँ।
- स्वतंत्र रूप से कार्य करने की इसकी क्षमता इसे आपदा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक मूल्यवान उपकरण बनाती है।

स्रोत: इंडियनएक्सप्रेस

निपाह वायरस

संदर्भ

केरल में निपाह वायरस फिर से सामने आया है, मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में इसके दो नए मामले सामने आए हैं।

निपाह वायरस (NiV) क्या है?

- **निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है, जिसका अर्थ है कि यह जानवरों से मनुष्यों में फैलता है (मानव-से-मानव संचरण भी संभव है)।**
- **यह पैरामिक्सोविरिडी (Paramyxoviridae) परिवार के हेनीपावायरस (Henipavirus) वंश से संबंधित है।**
- इसका संक्रमण संक्रमित चमगादड़ों, सूअरों या दूषित भोजन के सीधे संपर्क से होता है।
- इसके लक्षण आमतौर पर सामान्य फ्लू जैसे शुरू होते हैं और बाद में गंभीर श्वसन तथा तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।
- वर्तमान में इसका कोई टीका उपलब्ध नहीं है (एन्सेफलाइटिस के मामलों में रिबाविरिन मृत्यु दर को कम कर सकता है)।

वायरस की संरचना -

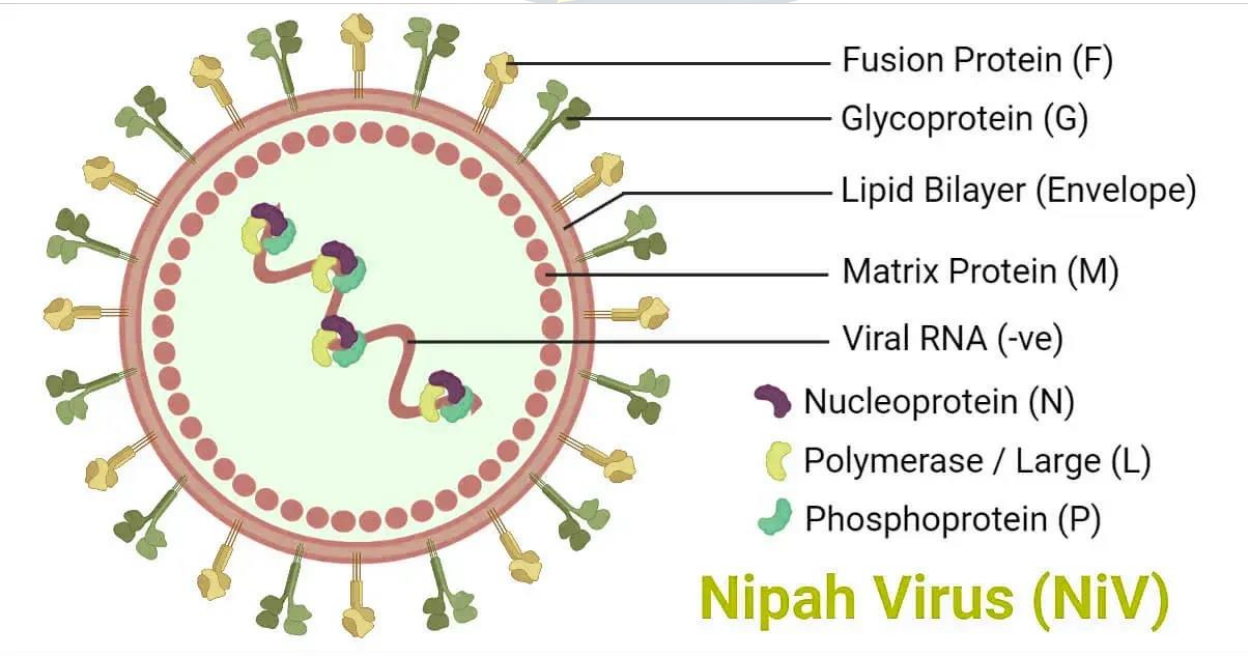

- **यह एक नकारात्मक-सेंस (Negative-sense), सिंगल स्ट्रेंडेड RNA वायरस है, जिसकी संरचना आवृत (enclosed) होती है।**
- **प्रमुख संरचनात्मक प्रोटीन:** N, P, M, F, G, और L।
- वायरस को एक मैट्रिक्स प्रोटीन द्वारा संरक्षित किया जाता है, जिसमें कोशिका में प्रवेश के लिए ग्लाइकोप्रोटीन और फ्यूज़न प्रोटीन होते हैं।
- इसके साइटोप्लाज़्मिक संरचनाएं अक्सर एंडोप्लाज़्मिक रेटिकुलम (**ER**) के पास पाई जाती हैं।

उत्पत्ति और प्रसार -

- **सर्वप्रथम मलेशिया (1999) में सुअर पालकों में इसकी पहचान हुई।**
- थाईलैंड, कंबोडिया और घाना जैसे अन्य देशों में भी इसकी रिपोर्ट दी गई।

- भारत में:
    - पहला प्रकोप सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल (2001) में हुआ।
    - 2007, 2018, 2023 में बार-बार प्रकोप हुआ और अब फिर 2025 (केरल) में।
    - 2001 के प्रकोप ने संभावित मानव-से-मानव संचरण का संकेत दिया।

परीक्षण विधियाँ -

- RT-PCR (रियल-टाइम पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन)
- ELISA (एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट एस्से)
- IHC (इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री)
- SNT (सीरम न्यूट्रलाइज़ेशन टेस्ट)

लक्षण -

- **प्रारंभिक लक्षण:** बुखार, सिरदर्द, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, मतली।
- **प्रगति**: चक्कर आना, उनींदापन और तीव्र इंसेफेलाइटिस के लक्षण।
- **गंभीर मामले:** 24-48 घंटों के भीतर दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है।
- यह हल्की बीमारी से लेकर घातक मस्तिष्क सूजन तक हो सकती है।

वर्तमान रुझान और प्रकोप पैटर्न -

- मौसमी और क्षेत्रीय प्रकोप, विशेष रूप से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में।
- संक्रमण का विकास चमगादड़ से सूअर, फिर मनुष्य तक फैलने से लेकर अब सीधे चमगादड़ से मनुष्य और मनुष्य से मनुष्य में फैलाव तक हो गया है।
- केरल में कई प्रकोप देखे गए हैं, जिनमें 2018 (17 मौतें) और 2023 में घातक प्रकोप शामिल हैं।

स्रोत: द हिंदू

सृष्टि(Shrishti)

संदर्भ

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मिशन कर्मयोगी के तहत डिजिटल गवर्नेंस प्रशिक्षण और प्रशासनिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए IIPA में "सृष्टि" डिजिटल स्टूडियो और पुनर्निर्मित APPPA मॉड्यूल का उद्घाटन किया।

सृष्टि के बारे में - IIPA में नया डिजिटल स्टूडियो -

- **सृष्टि एक अत्याधुनिक डिजिटल स्टूडियो है जिसे केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (IIPA) में लॉन्च किया।**
- इसका उद्देश्य मिशन कर्मयोगी और आईजीओटी जैसी पहलों के तहत सिविल सेवकों के लिए डिजिटल शिक्षा और नीति संचार को बढ़ावा देना है।

प्रमुख विशेषताएं -

- **उच्च तकनीक अवसंरचना:** आधुनिक ऑडियो-वीडियो स्टूडियो, एडिटिंग सुइट्स और लाइव-स्ट्रीमिंग क्षमताओं से सुसज्जित।
- **सामग्री निर्माण केंद्र**: डिजिटल पाठ्यक्रम, वेबिनार, व्याख्यात्मक वीडियो और पॉडकास्ट के उत्पादन को सक्षम बनाता है।
- **हाइब्रिड लर्निंग का समर्थन करता है:** नागरिक-सैन्य प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए लाइव और रिकॉर्ड की गई सामग्री के एकीकरण की अनुमति देता है, विशेष रूप से APPPA(लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम) के तहत।

उद्देश्य और प्रभाव -

- आंतरिक क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे बाहरी विक्रेताओं पर निर्भरता कम होती है।
- लागत प्रभावी, स्केलेबल और पुन: प्रयोज्य प्रशिक्षण मॉड्यूल को बढ़ावा देता है।
- यह तकनीक-संचालित, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन के भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करता है।

स्रोत: पीआईबी

लाडकी बहिन योजना

संदर्भ

महाराष्ट्र सरकार ने 2,889 सरकारी कर्मचारियों को महिला कल्याण योजना के लिए अयोग्य पाए जाने के बाद उन्हें लड़की बहन योजना की लाभार्थी सूची से हटा दिया है।

लाडकी बहिन योजना (मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना) के बारे में -

- **2024 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक प्रमुख महिला-केंद्रित कल्याण पहल के रूप में लॉन्च किया गया।**
- **उद्देश्य**:
  - आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
  - इसका उद्देश्य राज्य में महिलाओं का पुनर्वास, आर्थिक उत्थान और सशक्तिकरण करना है।
- **पात्रता मापदंड**:
  - लाभार्थी को महाराष्ट्र का स्थायी निवासी होना चाहिए।
  - **आयु सीमा:** महिलाएं 21 से 65 वर्ष के बीच।
  - वार्षिक पारिवारिक आय ₹2.5 लाख या उससे कम होनी चाहिए।
  - परिवार का कोई भी सदस्य पंजीकृत आयकरदाता नहीं होना चाहिए।
  - हाल ही में लाभार्थी ऑडिट के अनुसार, सरकारी कर्मचारी अपात्र हैं।
- **लाभ:**
  - पात्र महिलाओं को उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से प्रति माह 1,500 रुपये मिलते हैं।
  - वित्तीय सहायता का उद्देश्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना, जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना और आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देना है।

नव गतिविधि -

- 2,889 अपात्र सरकारी कर्मचारियों को लाभार्थी सूची से हटा दिया गया।
- सरकार अयोग्य आवेदकों की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए सीबीडीटी से प्राप्त आयकर डेटा का उपयोग कर रही है।
- नासिक और अन्य जिलों में दोहरे लाभ के मामलों की जांच चल रही है।

स्रोत: द हिंदू

पोर्ट ऑफ स्पेन

संदर्भ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राजकीय यात्रा के लिए पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे - जो 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है।

पोर्ट ऑफ स्पेन के बारे में -

- **अटलांटिक महासागर में स्थित दक्षिण-पूर्वी वेस्ट इंडीज में एक द्वीप देश।**
- दक्षिण अमेरिकी तट के करीब, वेनेजुएला के उत्तर-पूर्व और गुयाना के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।
- **इसमें दो मुख्य द्वीप शामिल हैं:**
  - **त्रिनिदाद** (बड़ा और अधिक औद्योगिक)
  - **टोबैगो** (छोटा और अधिक पर्यटन-संचालित)
- **पर्वत श्रृंखला**: त्रिनिदाद में उत्तरी पर्वत श्रृंखला वेनेजुएला के एंडीज पर्वत का विस्तार है।
- **प्राकृतिक संसाधन**: पिच झील (ला ब्रे, त्रिनिदाद में) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक डामर भंडार है।
- **सबसे ऊँचा स्थान**: उत्तरी रेंज में माउंट एरिपो।
- **प्रमुख नदियाँ**: ओर्टोइरे नदी और कारोनी नदी।

राजनीतिक और ऐतिहासिक संदर्भ -

- **यह क्षेत्र पहले स्पेन का उपनिवेश था और बाद में ब्रिटिश शासन के अधीन रहा; 1962 में स्वतंत्रता प्राप्त की और 1976 में गणराज्य बना।**
- **राजधानी: पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद द्वीप पर)।**
- **सरकार का प्रकार**: एकात्मक संसदीय गणतंत्र।
- राष्ट्रमंडल राष्ट्र और **CARICOM** (कैरेबियन समुदाय) के सदस्य।

अंतर्राष्ट्रीय महत्व -

- कैरिबियन में प्रमुख तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक।
- कई क्षेत्रीय संगठनों और शिखर सम्मेलनों की मेजबानी करता है।
- कैरेबियाई-अटलांटिक क्षेत्र में व्यापार के लिए एक रणनीतिक बिंदु।

भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंध -

- यहाँ बड़ी संख्या में भारतीय मूल की जनसंख्या निवास करती है (लगभग 40%), जो मुख्यतः गिरमिटिया मज़दूरों के वंशज हैं।
- भारत के साथ इसके मजबूत सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध हैं, विशेषकर प्रवासी कूटनीति (diaspora diplomacy) के माध्यम से।
- ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु सहनशीलता जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग करता है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2025 की यात्रा 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी, जिसने द्विपक्षीय सहयोग को नई गति दी।

स्रोत: **पीआईबी**